HISTORY

B.A.(Hon's) PART-II

Paper-IV (History of Modern Asia(China & Japan))

Unit-I (BOXER PROTOCOL(7 Sept. 1901))

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 23

(इस PDF का Audio or videos देखने के लिए नीचे लिखे लिंक को CLICK करें ।

https://youtu.be/aiU8eEqKFLI

बॉक्सर समझौता (7 Sept. 1901)

BOXER PROTOCOL (7 Sept. 1901)

बॉक्सरों की पराजय और पीकिंग पर अंतरराष्ट्रीय सेना के अधिकार के बाद विदेशी राष्ट्रों ने चीन को दंड देने और भविष्य के लिए सुरक्षा की व्यवस्था के प्रश्न पर विचार का लंबा-चौड़ा कार्यक्रम आरंभ किया। अंत में सितंबर 1900 ई. में शांति समझौता की अंतिम व्यवस्था की गई, लेकिन रुस की महत्वाकांक्षा ने इस कार्य को कठिन बना दिया। अक्टूबर 1900 में रूस की सेना ने मंचूरिया पर कब्जा कर लिया। रूस की इस प्रसार वादी नीति का अन्य यूरोपीय देशों ने विरोध किया। 5 फरवरी 1901 को जापान की सरकार ने राज्यों से अनुरोध किया कि वे मंचूरिया पर रुसी प्रभाव क्षेत्र कायम होने का विरोध करें। अंत में काफी विचार विमर्श कर चीन के साथ समझौता का एक मसविदा तैयार हुआ और 7 सितंबर 1901 ई. को

Dr. Guddy Kumari(A.N.D College)

इस मसौदे पर हस्ताक्षर हो गया। इस मसौदे को ही **बॉक्सर समझौता (BOXER PROTOCOL)** कहते हैं।

इस समझौते की शर्तें निम्नलिखित थी:-

1. चीन विद्रोह में हुई हानि के हर्जाने के रूप में 45 करोड़ तैल 391 वार्षिक किस्तों में 4% शुद्ध के साथ अदा करेगा और इसकी अदायगी के लिए नमक कर और समुद्री व्यापार की चुंगी की जमानत देगा।

2. विद्रोह में भाग लेने वालों को मृत्युदंड दिया जाएगा। जिन प्रांतों में विदेशियों का कत्लेआम हुआ था, उन प्रांतों के नागरिकों को सरकारी सेवा से वंचित करने के लिए 5 वर्षों तक प्रतियोगिता परीक्षाओं में बैठने से वंचित कर देना था।

3. पीकिंग में दूतावास के रक्षा के लिए स्थाई रूप से विदेशी सेना रहेगी, ताकू की किलाबंदी तोड़ दी जाएगी और पिकिंग के समुंद्र तक का इलाका विदेशी संरक्षण में रहेगा।

4. सुंगली यमेन के बजाय विदेशी कार्यालय खोला जाएगा और सम्राट से मिलने का उपचार समाप्त किया जाएगा।

5. विदेशी माल पर आंतरिक चुंगी खत्म की जाएगी और उसकी जगह साढ़े सात प्रतिशत का अतिरिक्त कर लगाया जाएगा। खानों पर से पाबंदी उठाई जाएगी, जिससे विदेशी धन इस ओर आकृष्ट हो सके। सब देसी चुंगी की चौकीया विदेशी कर विभाग की निगरानी में काम करेगी।

6. मुकदेन और शांतुंग में विदेशियों को रहने और व्यापार करने की पूरी सुविधा होगी। तीन्तसीन को चीन की सरकार खाली कर देगी और इसे विदेशियों के कब्जे में कर दिया जाएगा।

Dr. Uday Kumar, A.N.D College

7. चीन की सरकार प्रांतीय गवर्नरों को अलग-अलग अज्ञाप्तियाॅ देगी। जिसमें इस बात का आदेश दिया जाएगा कि वे विदेशी विरोधी किसी भी विरोध को तत्काल दबाने में सक्रिय कदम उठाएं।

8. विदेशी राज्यों के साथ चीन ने जितनी संधिया की है, उनमें समयानुसार परिवर्तन हो।

9. 2 वर्षों के लिए चीन में हथियार गोला-बारूद और युद्ध सामग्री के आयात और निर्माण की मनाही रहेगी। इसे विदेशियों की इच्छा के अनुसार 2 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है।

10. जर्मनी और जापान के राजदूतों की हत्या के लिए चीन की सरकार माफी मांगेगी और इसके लिए उसका एक प्रतिनिधि दल बर्लिन तथा टोक्यो जाएगा जिस स्थान पर जर्मन राजदूत की मृत्यु हुई थी वहां उसका स्मारक बनाया जाएगा।

अप्रैल 1902 ई. में रूस के साथ-साथ चीन की एक दूसरी संधि हुई जिसके अनुसार यह तय किया गया कि यदि कोई झगड़ा नहीं हुआ तो सितंबर 1930 तक रूस 6 - 6 महीनों के अंतर पर तीन बार करके अपनी फौज मंचूरिया से हटा लेगा।

 # विद्रोह की असफलता के कारण...

बॉक्सर विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण यह था कि चीनी जनता में एकता नहीं थी। चीनी प्रांत के सूबेदारो तथा मंचू शासकों ने भी अंत में विदेशियों का साथ दिया और विद्रोह को दबा दिया।

निष्कर्षत हम कह सकते हैं कि बॉक्सर विद्रोह के परिणाम बहुत ही खतरनाक सिद्ध हुआ। मंचू शासन विदेशियों के हाथ का कठपुतली बन गया और

Dr. Guddy Kumari(A.N.D College)

विदेशियों ने चीन पर अपना प्रभुत्व कायम कर लिया दूसरी तरफ बॉक्सर विद्रोह चीन के लिए लाभदायक भी निकला क्योंकि चीन में अनेक सुधार कार्य किए गए आगे चलकर यह आंदोलन क्रांति की प्रगति में सहायक सिद्ध हुई तथा चीनियों में राष्ट्रवाद की भावना को भी प्रज्वलित किया।

! धन्यवाद !

Dr. Guddy Kumari(A.N.D College)